सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 13 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 14 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

अगर हम अगली सदी की तरफ देखें तो लीडर वो होंगे जो दूसरों को सशक्त बना सकें।

-बिल गेट्स

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों पर चलाया... 7 | थम नहीं रही राज्यपालों व राज्यों... 3 | किसान बेजार, ये कैसी सरकार... 2

किसानों के गुस्से से मोदी सरकार घबराई

राजधानी में अन्नदाताओं को फिर घुसने से रोका

» अन्नदाता बोले- हमारी बात सुने सरकार » फिर दागे गए आंसू गैस के गोले

» दिल्ली की चार सीमाएं पूरी तरह सील

» दिल्ली के बॉर्डर्स पर बढ़ाई गई सुरक्षा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर किसान गूंगी बहरी केंद्र सरकार को जगाने के लिए तीसरे दिन भी आंदोलनरत हैं। सरकार की पुलिस उन्हें रोकने के लिए सारे तिकड़म लगा रही है। राजधानी की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। जगह-जगह बड़े-बड़े बैरिकेड्स लगा दि गए है। इससे लगता है कि किसानों के आंदोलन से बीजेपी की मोदी सरकार घबरा गई है। सरकार की इस पूरी कवायद पर विपक्ष ने निशाना साधा है। कांग्रेस, आप समेत सभी विपक्षी दलों ने कहा कि मोदी सरकार किसानों पर अत्याचार कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि किसान अपनी मेहनत का फल मांग रहे हैं सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। ममता, मायावती, अखिलेश से लेकर सभी ने किसानों का समर्थन किया है। दरअसल, प्रदर्शनकारी किसानों ने बुधवार सुबह एक बार फिर से दिल्ली चलो मार्च की शुरुआत की है। किसानों ने अंबाला के पास शंभू सीमा पर इकट्ठा होकर मार्च की शुरुआत की है। हरियाणा पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे हैं। बहादुरगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, डीएसपी अनिल सिंह ने कहा कि फिलहाल माहौल शांतिपूर्ण है, ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया गया है. पैदल यात्रियों की आवाजाही सामान्य है। दिल्ली की सीमाएं सील कर दी गई हैं और कई रास्तों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक प्रतिबंधों के चलते दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित एनसीआर के शहरों से राष्ट्रीय राजधानी आने वाले रास्तों पर लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के टिकरी बॉर्डर, सिंगु बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस कर्मियों के साथ दंगा रोकने वाले वाहनों को तैनात कर दिया है।

किसानों पर अत्याचार हुआ तभी तो जा रहे दिल्ली : टिकैत

भाकियू के अध्यक्ष नरेश टिकैत और राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अभी भले ही वह इस आंदोलन में शामिल नहीं हैं लेकिन सभी किसान हैं और सबकी अपनी समस्याएं हैं। यदि दिल्ली जा रहे किसानों पर अत्याचार हुआ, तो वह भी दिल्ली पहुंच जाएंगे। किसान और दिल्ली हमसे दूर नहीं है। मंगलवार को एक ओर जहां पंजाब के किसान दिल्ली की ओर बढ़ रहे थे वहीं नरेश टिकैत शामली में एक शादी समारोह व अन्य कार्यक्रमों में व्यस्त रहे जबकि राकेश टिकैत बेंगलुरु में थे। राकेश टिकैत का कहना है कि अलग-अलग राज्य में किसानों की अपनी समस्याएं हैं। देश में बहुत संगठन हैं, सब अपने तरीके से कार्य कर रहे हैं। सरकार गलत कर रही है, दीवार बना रही है, सड़कों पर कील ठोक रही है। पाकिस्तान बार्डर पर भी तार और कील ठुकी है क्या? सरकार गलत तरीके से किसानों को रोकने का प्रयास कर रही है, किसानों से बातचीत होनी चाहिए।

हिंसा न करें, दोबारा बातचीत में शामिल हों : ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रदर्शनकारी किसानों से अपील की कि वे दोबारा बातचीत में शामिल हों और हिंसा का सहारा न लें। उन्होंने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, मैं प्रदर्शनकारियों से कहना चाहूंगा कि हिंसा न करें, उग्र न हों। मैं किसान नेताओं के आग्रह करता हूं कि कृपा करके बातचीत करके बातचीत का दौर जारी रखें। ठाकुर ने कहा, अगर मोदी सरकार कतर में पूर्व सैनिकों को मौत की सजा से बचा सकती है। उन्हें सुरक्षित देश ला सकती है। तो हम बातचीत के जरिए इसका समाधान भी निकाल सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगर आप भारत के विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से अलग होने की बात करेंगे, तो मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को खत्म करने की बात करेंगे।

पीएम मोदी किसानों से करें बात : सरवन सिंह पंढेर

पंजाब किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि एमएसपी की गारंटी वाला कानून इतनी जल्दी नहीं बन सकता। हम सिर्फ इतना कह रहे है कि हमें उस पर कानूनी गारंटी दी जाए, ताकि हम उस एमएसपी से नीचे फसल न बेचें। इसलिए, समिति का कोई सवाल ही नहीं है।

राजस्थान से राज्यसभा जाएंगी सोनिया गांधी

» जयपुर में नामांकन भरा, राहुल भी रहे मौजूद

» कांग्रेस ने 4 सीटों पर उम्मीदवारों का किया ऐलान

» हिमाचल से अभिषेक मनु सिंघवी होंगे उम्मीदवार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राज्यसभा का चुनाव होना है। उसके लिए सभी राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए 4 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद सोनिया गांधी, अपने परिवार से राज्यसभा जाने वाली दूसरी सदस्य हैं। राजस्थान से सोनिया गांधी, हिमाचल से अभिषेक मनु सिंघवी को टिकट दिया गया है। इसके साथ ही बिहार से अखिलेश प्रसाद सिंह और महाराष्ट्र से चंद्रकांत हंडोरे के नाम की घोषणा की गई है। चंद्रकांत हंडोरे महाराष्ट्र के दलित नेता हैं, मध्य प्रदेश की एक, तेलंगाना की दो और कर्नाटक की तीन राज्यसभा सीटों के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का ऐलान होना अभी बाकी है।कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी बुधवार को राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। इससे पहले वह सोनिया गांधी आज बुधवार (14 फरवरी) की सुबह जयपुर पहुंचीं। उनके साथ पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी थे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और कुछ अन्य नेताओं ने हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की।

लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगीं सोनिया

सोनिया गांधी 1999 से लगातार लोकसभा सदस्य हैं और मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर रही हैं. वह अमेठी से भी लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं। यह पहली बार होगा कि वह संसद के उच्च सदन में जाएंगी। वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद राज्यसभा में प्रवेश करने वाली गांधी परिवार की दूसरी सदस्य होंगी। इंदिरा गांधी अगस्त, 1964 से फरवरी 1967 तक उच्च सदन की सदस्य थीं। राज्यसभा जाने की स्थिति में इस बात की प्रबल संभावना है कि सोनिया गांधी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। सोनिया गांधी ने 2019 में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी लोकसभा चुनाव होगा।

किसान बेजार, ये कैसी सरकार है धिक्कार : अखिलेश

» बोले- किसानों पर गोलों की बौछार, ये कैसा अमृतकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली की तरफ जा रहे किसानों के जत्थे पर पुलिस द्वारा आंसू गैस छोड़ने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की है और कहा कि ये कैसा अमृतकाल है जब किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। धिक्कार है...। उन्होंने कहा कि जो कुछ हो रहा है और जिस प्रकार की खबरें आ रही हैं कि आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। किसानों को रोकने के लिए और आंदोलन खत्म करने के लिए कीलों के साथ-साथ दीवारें तक खड़ी की गई। प्रशासन के माध्यम से सरकार जो कर सकती थी कर रही है।

दिल्ली की सरकार किसानों की आवाज को दबाना चाहती है। ये वही सरकार के लोग हैं जिन्होंने किसानों से कहा कि उनकी आय दोगुनी हो जाएगी, फसल की कीमत मिलेगी, न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी इन्हीं मांगों को लेकर किसानों ने एक साल तक आंदोलन किया था। इस दौरान 700 किसानों की जान चली गई थी। ये सरकार चौधरी चरण सिंह और एम एस स्वामीनाथन को भारत रत्न देकर किसानों के वोट तो लेना चाहती है लेकिन उनकी बातों को नहीं मानना चाहती है। आने वाले चुनाव में जनता उनको सबक सिखाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मुनाफा कमाने वालों से मिली हुई है।

सरकार को किसानों की मांगों को गंभीरता से लेना चाहिए : मायावती

लखनऊ। सरकार भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहनतकश किसानों की मांगों को गंभीरता से ले तथा उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके उनका समय से समुचित समाधान करे, ताकि अन्नदाता किसानों को अपनी मांगों के समर्थन में बार-बार आंदोलन के लिए मजबूर न होना पड़े। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि सरकार को किसानों की मांगों को गंभीरता से लेना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय केंद्र को उनसे बातचीत करनी चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सरकार भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहनतकश किसानों की मांगों को गंभीरता से ले तथा उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके उनका समय से समुचित समाधान करे, ताकि अन्नदाता किसानों को अपनी मांगों के समर्थन में बार-बार आंदोलन के लिए मजबूर न होना पड़े। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार 'दिल्ली चलो' आंदोलन में शामिल किसानों पर सख्ती करने के बजाय उनसे वार्ता करके प्रदर्शन को समाप्त कराने का प्रयास करती है तो यह बेहतर होगा।

पाप का घड़ा भरता है तो ब्लास्ट हो जाता है: हसन

» मुरादाबाद सांसद बोले- बुलडोजर देख फूटा था गुस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद से सपा सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि हल्द्वानी में हिंसा अचानक नहीं हुई। उत्तराखंड में छह माह से सरकार के प्रति लोगों में रोष था। इसी कारण लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए आपस में बैठकर बातचीत होनी चाहिए। डॉ. एसटी हसन ने कहा कि दंगा किसी के लिए अच्छा नहीं होता है। हालात को संभालने की जिम्मेदारी सिर्फ जनता की नहीं होती है। सरकार को भी कोशिश करनी चाहिए। अमन की चाभी इंसाफ के पास होती है। उत्तराखंड सरकार छह माह से पुराने मजार और मदरसों के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। धीरे-धीरे लोगों का गुस्सा बढ़ता गया। पाप का घड़ा जब भर जाता है तो फूट जाता है।

बुलडोजर को देखकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा था। अंग्रेज 1881 को रेलवे को लेकर आए थे। वहां दरगाह और मजार 200 साल पुरानी हैं। रेलवे ने जानबूझकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। वहां रेलवे की माफियागिरी है। कुछ लोग वोट हासिल करने के लिए माहौल बिगाड़ते हैं। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में 60 हजार की जनसंख्या है। इस मामले में लोगों के बीच बैठ कर बातचीत होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि शांति कायम रहे और कानून के हिसाब से अपनी बात रखी जाए। कानून को भी सभी के साथ इंसाफ करना चाहिए। कानून इंसाफ करेगा तो लोगों को गलत राह पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पता चला है कि वहां सरकार पुलिस चौकी स्थापित करना चाहती है। आरोप लगाया कि उत्तराखंड सरकार मुसलमानों का दिल दुखा रही है।

ओडिशा चुनाव जीतेगी भाजपा

» शिवराज सिंह चौहान ने सीएम नवीन पटनायक पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। भाजपा नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ओडिशा में हैं। इस दौरान उन्होंने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पटनायक राज्य सरकार के मुट्ठी भर अधिकारियों को आउटसोर्स कर दिया है। इस वजह से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। चौहान ने दावा किया है कि इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा ओडिशा में बहुमत से सरकार बनाएगी। जगतसिंहपुर में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने के बाद चौहान कटक में एक पार्टी कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

चौहान मंगलवार को ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में थे। इस दौरान उन्होंने एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि ओडिशा पटनायक सरकार के राज्य में प्रगति नहीं कर सकता। सीएम इस बात से अंजान हैं कि राज्य में क्या हो रहा है क्योंकि वह खुद काम नहीं करते हैं। इसलिए लोग नौकरशाही शासन में जंगलराज का अनुभव कर रहे हैं। जब तक पटनायक राज्य की कमान नहीं संभालते हैं, तब तक राज्य प्रगति नहीं कर सकता है। पटनायक ने सरकार में कुछ अधिकारियों को आउट सोर्स कर दिया है। इस वजह से हर स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है। पटनायक सरकार नहीं चला रहे बल्कि अधिकारी उनकी ओर से सत्ता संभाल रहे हैं।

स्वामी प्रसाद ने सपा का महासचिव का पद छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वामी प्रसाद मौर्या ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर दलितों व पिछड़ों को उचित भागीदारी न देने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। लेकिन, अंदरखाने माना जा रहा है कि वे राज्यसभा के टिकट वितरण से नाराज चल रहे हैं। उनके इस्तीफे को सपा नेतृत्व पर दबाव की राजनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजे त्यागपत्र में उन्होंने कहा है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राममनोहर लोहिया समेत सामाजिक न्याय के पक्षधर महापुरुषों ने 85 बनाम 15 का नारा दिया था।

लेकिन, समाजवादी पार्टी इस नारे को लगातार निष्प्रभावी कर रही है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में प्रत्याशियों का पर्चा व सिंबल दाखिल होने के बाद अचानक प्रत्याशियों को बदला गया। इसके बावजूद वह पार्टी का जनाधार बढ़ाने में सफल रहे।

विधानसभा के अंदर पार्टी को 45 से 110 पर पहुंचा दिया। स्वामी प्रसाद मौर्य लंबे समय से सपा में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। उनके हर बयान को समय-समय पर प्रो. रामगोपाल यादव और शिवपाल यादव निजी राय बताते रहे हैं। वहीं, विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक मनोज पांडे तो उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ बता चुके हैं। इससे ज्यादा पीड़ा उन्हें इस बात की है कि पार्टी के अंदर भी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव उनके खिलाफ आ रहे बयानों पर कोई लगाम नहीं लगा रहे हैं। पार्टी नेतृत्व पर दलितों और पिछड़ों को उचित भागीदारी न दिए जाने का जो आरोप उन्होंने लगाया है, वो दरअसल राज्यसभा चुनाव से जुड़ा है।

ड्रामा कर रहे हैं स्वामी प्रसाद : राजभर

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे पर सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के इशारे पर स्वामी ड्रामा कर रहे हैं। राजभर का कहना है कि अगर स्वामी प्रसाद वास्तव में अखिलेश के व्यवहार से आहत हैं तो एमएलसी के पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया। सुभासपा अध्यक्ष ने बलिया में मीडिया से बातचीत में कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा के संगठन का पद तो छोड़ दिया लेकिन सपा में बने रहेंगे। ये कौन सा सिद्धांत हैं। इससे स्पष्ट है कि यह स्वामी ने ये ड्रामा अखिलेश के इशारे पर किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश और स्वामी प्रसाद मिलकर मुसलमानों का वोट लेने के लिए ड्रामा कर रहे हैं। राजभर ने कहा कि स्वामी प्रसाद की संगठन में तो कभी भी वापसी हो सकती है। अगर स्वामी सपा के एमएलसी के पद से इस्तीफा देते तो स्वीकार हो जाता इसलिए उन्होंने संगठन से इस्तीफा दिया। राजभर ने अखिलेश को घेरते हुए कहा आज तक तो मौर्य के किसी बयान पर सपा अध्यक्ष ने कोई एक्शन नहीं लिया। आज शिव पूजन करने के समय ड्रामे के तहत इस्तीफा दिलवा दिया।

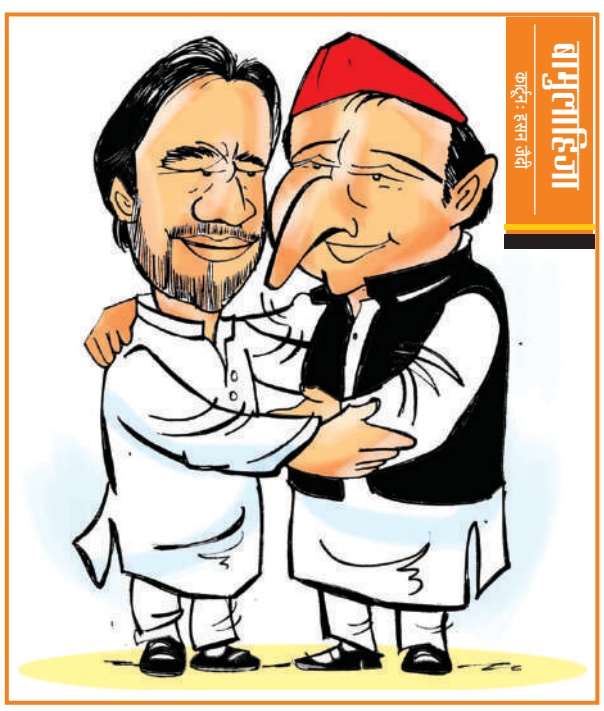

दिल्ली में कांग्रेस को एक सीट का ऑफर

» पंजाब में भी गठबंधन नहीं, आप ने गोवा और गुजरात में कैंडिडेट उतारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन में लगातार फूट नजर आ रही है। एक-एक कर राजनीतिक पार्टियां किनारा कर रही हैं। पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, फिर नीतीश कुमार और रालोद के बाद आम आदमी पार्टी ने भी बड़ा एलान किया है। आम आदमी पार्टी ने भी सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस को ऑफर दे दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता संदीप पाठक ने कहा है कि हमने कांग्रेस को दिल्ली में एक सीट पर लड़ने का प्रस्ताव दिया है। जबकि आम आदमी पार्टी दिल्ली में छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

संदीप ने यह भी कहा कि इस प्रस्ताव पर अगर समय पर कांग्रेस का जवाब नहीं मिला तो आम आदमी पार्टी छह सीटों पर अपने उम्मीदवारों का एलान कर देगी। आप सांसद संदीप पाठक का कहना है कि सीट बंटवारे को लेकर हमारी कांग्रेस पार्टी के साथ दो आधिकारिक बैठकें हुईं लेकिन इन बैठकों का कोई नतीजा नहीं निकला। इन दो आधिकारिक बैठकों के अलावा, पिछले एक महीने में कोई अन्य बैठक नहीं हुई है। दिल्ली में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी ने एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का ऑफर दिया है। जबकि आम आदमी पार्टी छह सीटों पर लड़ेगी। आप और कांग्रेस पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। आप ने गोवा की एक और गुजरात की दो संसदीय सीटों पर कैंडिडेट उतार दिए हैं। हम अगली बैठक का इंतजार कर रहे हैं, कांग्रेस के नेताओं को भी अगली बैठक की जानकारी नहीं है। आज मैं भारी मन से यहां बैठा हूं।

थम नहीं रही राज्यपालों व राज्यों की टकरार

बंगाल, तमिलनाडु व केरल में मामले पकड़ रहे तूल

» दिल्ली में आप भी है एलजी पर हमलावार

» तमिलनाडु के राज्यपाल ने पूरा अभिभाषण पढ़ने से किया इनकार

» राज्यपालों के विधानसभा में परंपरागत अभिभाषण पर होती है टीका-टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। राज्य व वहां के राज्यपालों के बीच टकरार होना आम बात है। देश में जब केंद्र व राज्यों में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें होती हैं तो उनमें टकराव होना लाजिमी है। खास तौर जबसे बीजेपी की मोदी सरकार आई है तबसे उनके बीच एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाना आम है। दिल्ली में आप सरकार व एलजी वीके सक्सेना के बीच नोकझोंक की खबरें आए दिन आती रहती हैं। उधर बंगाल के राज्यपाल व टीएमसी सरकार के बीच मनमुटाव तो जैसे खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। केरल में भी राज्यपाल मो. आरिफ व वहां की सरकार के बीच टकराव होना आम बात है।

अभी ताजा मामला तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधानसभा में अपने पारंपरिक अभिभाषण को पूरा पढ़ने से इनकार कर दिया और इसमें गुमराह करने वाले तथ्य होने का दावा किया तथा सदन में राष्ट्रगान बजाए जाने के मुद्दे को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की आलोचना की। उनकी कुछ टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया गया, और इस तरह का घटनाक्रम राजभवन तथा राज्य सरकार के बीच तकरार का एक और उदाहरण है।

केंद्र सरकार पर तमिलनाडु के साथ भेदभाव का मामला उठा

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राज्यपाल ने सुझाव दिया कि राष्ट्रगान शुरुआत में बजाया जाना चाहिए। अप्पावु ने कहा कि राज्य में हाल में अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ के बावजूद केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को एक पैसा भी नहीं दिया जबकि प्रधानमंत्री राहत कोष में लाखों करोड़ों रुपए है। राज्यपाल को अय्या (महोदय) कह कर संबोधित करते हुए अप्पावु ने कहा कि वह प्रधानमंत्री से उस कोष से तमिलनाडु को करीब 50,000 करोड़ रुपए की सहायता दिलाने के बारे में कह सकते हैं जिसके बारे में लोग सवाल नहीं उठा सकते। अप्पावु के इस बयान के पूरा करने के तुरंत बाद राज्यपाल रवि सदन से बाहर चले गए जबकि अध्यक्ष ने माइक्रोफोन पर यह भी कहा कि परंपरागत अभिभाषण पर प्रस्ताव पारित होने के बाद राष्ट्रगान बजाया जाएगा। हालांकि, रवि रुके नहीं और अधिकारियों के साथ सदन से बाहर चले गए। सदन के नेता और जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने विधानसभा के रिकॉर्ड में राज्यपाल के अभिभाषण को शामिल करने के लिए एक नियम में ढील देने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि तमिल और अंग्रेजी भाषा में 46 पृष्ठों के पाठ को विधानसभा के रिकॉर्ड में शामिल किया जाएगा और इस प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भी हाल में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल अंतिम पैराग्राफ पढ़कर कुछ ही मिनटों में समाप्त कर दिया था। बाद में पत्रकारों से बातचीत में अप्पावु ने कहा कि पारंपरिक अभिभाषण के दौरान रवि द्वारा की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। अप्पावु ने कहा, उन्होंने (अभिभाषण से) जो कुछ पढ़ा, वह ठीक है। उसके बाद उन्होंने कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की जिन्हें हटा दिया गया है। राष्ट्रगान पर भी रवि ने कुछ टिप्पणियां की थी। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रगान राज्यपाल के अभिभाषण वाले दिन आखिर में बजाया जाता है। सदन के नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही राज्यपाल के अभिभाषण के बाद तमिल मंगलाचरण गीत तमिल थाई वज्थू के साथ शुरू होती है और कार्यवाही समाप्त होने पर अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। राज्य के कानून मंत्री एस रघुपति ने कहा कि स्टालिन लोकतंत्र का सम्मान करते हैं और राज्यपाल के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध चाहते है, लेकिन ऐसा लगता है कि रवि रिमोट कंट्रोल से संचालित हो रहे है और इसलिए स्वतंत्र रूप से काम काज नहीं कर रहे है। विपक्ष के नेता के पलानस्वामी ने कहा कि आज जो कुछ हुआ वह सरकार और राज्यपाल के बीच का मुद्दा है लेकिन जब हम वहां (सत्ता में) थे तब कोई समस्या नहीं थी। भाजपा विधायक दल के नेता नयनार नागेंद्रन ने आरोप लगाया कि स्पीकर ने कुछ विशेष मुद्दों पर बोलकर परंपरा का उल्लंघन किया। बाद में, राज्यपाल ने सदन की कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाई गई अपनी टिप्पणियों का वीडियो एक्स पर साझा किया। इस बीच, माकपा के प्रदेश सचिव के बालाकृष्णन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने विधानसभा की पहली बैठक में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर सदन और राज्य के लोगों का अपमान किया।

विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) एम. अप्पावु ने कहा कि रिकॉर्ड से हटाई गई सामग्री रवि की व्यक्तिगत टिप्पणियां थीं और केवल मंजूरी प्राप्त पाठ ही रिकॉर्ड में जाएंगे। राज्यपाल ने विधानसभा में अपना परंपरागत अभिभाषण शुरू करने के चंद मिनटों बाद इसकी सामग्री पर कुछ टिप्पणियां करते हुए इसे खत्म कर दिया। रवि के राष्ट्रगान के बारे में उल्लेख करने पर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) एम. अप्पावु ने कहा कि यह राज्यपाल के अभिभाषण वाले दिन सदन में आखिर में बजाया जाता है और उन्होंने इस संबंध में सदन के नियमों का हवाला दिया। बाद में राजभवन ने एक बयान में दावा किया कि रवि ने तमिलनाडु सरकार को सलाह दी थी कि वह राष्ट्रगान को सम्मान दे तथा इसे राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होने और इसके संपन्न होने के बाद बजाए, जिसे द्रमुक सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। बयान में यह आरोप भी लगाया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल पर निशाना साधा और उन्हें नाथूराम गोडसे का समर्थक कहा, इसलिए रवि विधानसभा की गरिमा का ध्यान रखते हुए सदन से बाहर चले गए। राजभवन ने अभिभाषण में गुमराह करने वाले दावे और तथ्य होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि रवि ने पूरा अभिभाषण पढ़ा होता तो यह एक संवैधानिक त्रासदी होती। लगातार दूसरे साल राज्य विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विवाद देखने को मिला। पिछले साल नौ जनवरी को रवि ने सरकार द्वारा तैयार किए अभिभाषण के कुछ अंश हटा दिए थे और अपनी तरफ से कुछ बातें जोड़ दी थी। तमिलनाडु विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी राज्यपाल ने साल के सत्र की शुरुआत में सदन में अपना परंपरागत अभिभाषण नहीं पढ़ा। यह इस साल सदन में रवि का पहला अभिभाषण था। रवि ने तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल के एक दोहे का जिक्र करने और तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन तथा विधायकों का अभिवादन करने के बाद चंद मिनटों में अपना अभिभाषण समाप्त कर दिया। इसके तुरंत बाद अप्पावु ने तमिल में राज्यपाल का पूरा अभिभाषण पढ़ा और कहा कि रवि ने सरकार द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण के मसौदे को स्वीकृति दी थी।

चुनाव आते ही महाराष्ट्र में मची भगदड़

» मिलिंद के बाद, चव्हाण भाजपा में शामिल

» कांग्रेस व बीजेपी में नेताओं की आने-जाने की कवायद शुरू

» महाराष्ट्र कांग्रेस ने की बैठक चव्हाण पार्टी के काम से थे नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीति हर समय बदलती जा रही है। कभी शिवसेना टूटी, तो कभी एनसीपी टूटी तो अब कांग्रस में भी टूट-फूट हो गई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल हो गए। अशोक चव्हाण मुंबई में भाजपा कार्यालय में जाकर पार्टी में शामिल हुए।अशोक चव्हाण ने बताया था कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं। भाजपा नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अशोक चव्हाण को पार्टी की सदस्यता दिलाई । अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अन्य सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से ही चव्हाण के भाजपा में जाने की अटकलें लग रहीं थी। इससे पहले मुरली देवड़ा के पुत्र मिलिंद देवड़ा भी बीजेपी में चले गए थे।

अशोक चव्हाण के इस्तीफे से महाराष्ट्र कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। राजनीतिक हालात को देखते हुए पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नित्थला ने मुंबई में कांग्रेस नेताओं की अहम बैठक बुलायी है। देवेंद्र फडणवीस ने अशोक चव्हाण के इस्तीफे के बाद दावा किया था कि कई और कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं। इससे कांग्रेस नेतृत्व में घबराहट की स्थिति है। यही वजह है कि महाराष्ट्र में पार्टी नेतृत्व ने आज बैठक बुलायी है। अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने पर संजय निरुपम ने कहा कि वे पार्टी के लिए पूंजी थी, लेकिन वे महाराष्ट्र में पार्टी नेताओं के काम करने के तरीके से खुश नहीं थे। निरुपम ने बताया कि कुछ नेता उन्हें (चव्हाण) बोझ मानते थे। कुछ लोग ईडी को उनके इस्तीफे की वजह बता रहे हैं, लेकिन ये अभी ये सब कहना जल्दबाजी है। अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने पर जब पूर्व कांग्रेसी नेता बाबा सिद्दीकी से सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि अशोक चव्हाण ने उन्हें फोन किया था और मैंने उन्हें बताया था कि हम जल्द ही अगले रास्ते पर मिलेंगे। अभी कई और लोग कांग्रेस छोड़ सकते हैं, क्योंकि जब आपका दम घुटता है तो आप बचने के लिए कोई रास्ता ढूंढते ही हैं। यह कांग्रेस के लिए जागने का समय है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे अभी जागने वाले हैं। वे सपनों की दुनिया में खोए हुए हैं और भ्रम में जी रहे हैं। यही वजह हो सकती है कि लोग कांग्रेस छोड़ रहे हैं।

चव्हाण ने अपनी मां को छोड़ दिया : राउत

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अशोक चव्हाण का कांग्रेस छोड़ना एक बेटे का अपनी मां को छोड़ने जैसा है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस छोड़ने की घोषणा की। राउत ने मुंबई में पत्रकारों से कहा, अगर 1975 से 1977 के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे कद्दावर नेता शंकरराव चव्हाण का बेटा कांग्रेस छोड़ता है, तो यह एक बेटे का अपनी मां को छोड़ने जैसा है। चव्हाण के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच, राउत ने कहा कि भाजपा ने आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाले में नांदेड़ के कद्दावर नेता को दोषी ठहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। राउत ने कहा, हमें अशोकराव पर भरोसा है। कल तक वह हमारे साथ थे। सीट बंटवारे की बैठक के दौरान मराठवाड़ा में कुछ सीटों के बारे में उनकी राय बहुत दृढ़ थी, जिससे पता चलता है कि वह अब भी हमारे साथ है। महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के इस्तीफे से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। ऐसी चर्चाएं हैं कि महाराष्ट्र कांग्रेस के कई अन्य बड़े नेता भी पार्टी छोड़ सकते हैं। इन नेताओं में संजय निरुपम के नाम की भी चर्चा है, लेकिन अब खुद संजय निरुपम ने साफ कर दिया है कि ये बेबुनियाद और झूठी अफवाह है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी दावा किया है कि पुणे के एक बड़े नेता भी कांग्रेस छोड़कर अन्य पार्टियों में अपने लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। मीडिया में ऐसी खबरें चल रही थी कि संजय निरुपम भी जल्द कांग्रेस से इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन अब संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर लिखा कि यह खबर सरासर झूठ और बेबुनियाद है। अफवाहों पर आधारित यह खबर निंदनीय है।

ये सैनिकों का अपमान : ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने की खबरों पर कहा है कि अगर भाजपा अशोक चव्हाण को राज्यसभा भेजती है तो ये सैनिकों का अपमान होगा। दरअसल अशोक चव्हाण पर आदर्श हाउसिंग घोटाले को लेकर आरोप लगे थे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि पीएम मोदी और देवेंद्र फडणवीस भी अशोक चव्हाण पर आदर्श हाउसिंग घोटाले को लेकर आरोप लगा चुके हैं और अब अगर उन्हें राज्यसभा भेजा जाता है तो ये सैनिकों का अपमान होगा। बता दें कि मुंबई में रक्षा मंत्रालय की जमीन पर आलीशान रिहायशी बिल्डिंग का निर्माण किया गया था। इस मामले में अशोक चव्हाण पर आपराधिक साजिश रचने और धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। हालांकि चव्हाण ने इन आरोपों से इनकार किया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लोकतंत्र में अपनी बात रखने का हर किसी को अधिकार

आज कल दिल्ली में किसान अपनी मांगों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ कूच करे रहे है। पुलिस उनको रोकने के लिए बल का प्रयोग कर रही है। सरकार द्वारा किसानों को रोकने की कोशिश करना अनुचित है। सरकार को चाहिए किसानों की मांग को मानकर उनको राहत देना चाहिए। किसानों का भी इस बात ध्यान रखना चाहए कि अम लोगों को किसी प्रकार की तकलीफ न हो।

लोकतंत्र में अपनी बात रखने का हर किसी को अधिकार है। सरकार का भी कर्तव्य है कि वह जो लोग जायज मांग कर रहे रहे उनकी मांगों पर ध्यान दें और समस्या का समाधान करें। आज कल दिल्ली में किसान अपनी मांगों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ कूच करे रहे है। पुलिस उनको रोकने के लिए बल का प्रयोग कर रही है। सरकार द्वारा किसानों को रोकने की कोशिश करना अनुचित है। सरकार को चाहिए किसानों की मांग को मानकर उनको राहत देना चाहिए। किसानों का भी इस बात ध्यान रखना चाहए कि अम लोगों को किसी प्रकार की तकलीफ न हो। उधर इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की भी एंट्री हो गई है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जाम में फंसे हो तो मुझे बताएं। कई वकीलों के केस कोर्ट में लगे हुए हैं। जाम के चलते कई वकील सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाएं। ज्ञात हो कि एमएसपी कानून समेत करीब 12 सूत्रीय मांगों को लिए किसान संगठन दिल्ली की ओर कूच कर चुके हैं। दिल्ली चलो नारे के साथ हजारों किसान ने संसद घेराव का ऐलान किया है। कई जगह भीषण जाम लग चुका है।

सुप्रीम कोर्ट में भी इस मुद्दो को उठाया गया। बॉर एसोसिएशन की तरफ से सुप्रीम कोर्ट को चिट्ठी लिखी गई थी। जिसका संज्ञान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने लिया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि जाम में फंसे हो तो मुझे बताएं। कई वकीलों के केस कोर्ट में लगे हुए हैं। जाम के चलते कई वकील सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाएं। किसान आंदोलन के मद्देनजर परेशानी का जिक्र सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से किया गया। दिल्ली कूच के मार्च के बाद कई किलोमीटर तक रेंगता हुआ ट्रैफिक देखने को मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ आदिश सी अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी किसानों के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। अग्रवाल ने कहा कि नाकेबंदी के कारण यह संभावना है कि सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय, विभिन्न आयोगों, न्यायाधिकरणों और जिला अदालतों के वकीलों को अदालती कार्यवाही में भाग लेने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सीजेआई से आग्रह किया कि जब तक दिल्ली की सीमाओं पर जनता की मुक्त आवाजाही के लिए बाधाएं दूर नहीं हो जातीं, तब तक किसी भी मामले में गैर-उपस्थिति के कारण प्रतिकूल आदेश पारित न करें। दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने धारा 144 लागू कर दी है और किसानों के प्रदर्शन को रोकने के लिए सीमाओं को कंक्रीट ब्लॉकों, कंटीले तारों आदि से मजबूत कर दिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष नहीं! जनता की एकता से डरना चाहिए भाजपा को!

श्रवण गर्ग

वर्तमान के बुरे राजनीतिक दौर में ऊपरी तौर पर नजर ऐसा ही आ रहा है कि जनता पूरी तरह से जड़ या स्थितप्रज्ञ हो गई है ! उस पर किसी भी चीज अथवा बड़ी से बड़ी घटना का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। वह ऐसा जता रही है कि नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी गठबंधन को लतिया कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ पुन: हाथ मिला लेने अथवा प्रतिष्ठित 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' के स्नातक (चौधरी चरणसिंह के पोते) जयंत चौधरी द्वारा अखिलेश यादव की पार्टी के साथ धोखाधड़ी कर एनडीए के साथ जुड़ जाने की कार्रवाई से भी उसे कोई फर्क नहीं पड़ा है! यह संपूर्ण सत्य नहीं है।

जनता सब कुछ देख रही है पर जान-बूझकर न तो रो रही है और न ही हँस रही है। वह सन्नाटा ओढ़कर दल-बदलुओं का मुजरा देखते हुए अपनी बारी का इंतजार कर रही है। दबी जुबान से पूछने अवश्य लगी है कि चुनावों के पहले और कितनों को 'भारत रत्न' बनाया जाएगा ! सरकार की मदद के लिए कई नाम भी सुझाए जा रहे हैं। जैसे कांशीराम, बीजू पटनायक, राजशेखर रेड्डी, करुणानिधि, बाल ठाकरे, शरद पवार, आदि। ममता और केजरीवाल के पुरखों में भी किसी योग्य नाम की तलाश की जा रही है। ममता के बाद केजरीवाल ने भी पंजाब और दिल्ली में अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। नये साल की फरवरी की नौ तारीख तक देश को पांच नये 'भारत रत्न' प्राप्त हो चुके थे। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर उल्लेखित जानकारी का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर प्रचारित किया जा रहा है कि साल में तीन से अधिक प्रतिभाओं को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा नहीं जा सकता। लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित होना शेष है । दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि अवमूल्यन प्रतिष्ठित अलंकरण का हो रहा है या सम्मानित होने वाली विभूतियों का अथवा दोनों का! इस बात की जानकारी भी मिलना बाकी है कि जो महानुभाव इस गौरवशाली सम्मान से पूर्व में अलंकृत हो चुके हैं वे या उनके परिवारजन इस समय कैसा महसूस कर रहे हैं !

विश्वास के मत पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में आरोप लगाया कि

'भारत रत्न' का उपयोग 'डीलिंग' के लिए किया जा रहा है। नीतिशकुमार बैठे हुए अपने पूर्व उपमुख्यमंत्री को सुनते रहे। जनता अकेले में कई सवाल भी करने लगी है! पहला यह कि जब दावे के साथ घोषणा की जा रही है कि मोदी तीसरी बार भी सत्ता में आने वाले हैं, एनडीए को चार सौ से अधिक और भाजपा को तीन सौ सत्तर सीटें मिलने जा रही हैं, प्रधानमंत्री अकेले ही सब पर भारी पड़ने वाले हैं तो सत्तारूढ़ दल को इस तरह से 'भारत रत्न' बांटने और विपक्षी दलों में तोड़फोड़ करने की जरूरत ही क्यों पड़ रही है? बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' दिये जाने के बाद से जो घटनाक्रम बना है वह इसी ओर इशारा करता है कि इवीएम के दुरुपयोग को लेकर व्यक्त की जा रही आशंकाओं के बावजूद भाजपा भयभीत है ! नीतीश कुमार सरकार द्वारा सोमवार को विश्वास का मत प्राप्त करने के पहले चले घटनाक्रम ने बिहार की चालीस सीटों के भविष्य को लेकर भाजपा की चिंताओं को उजागर कर दिया। राहुल गांधी के कदम अभी राम जन्म भूमि पर पड़ना बाकी हैं। वे यूपी को ग्यारह दिन देने वाले हैं और हो सकता है राम-लला के दर्शन अखिलेश के साथ ही करें। भाजपा अपनी रणनीति में कोई चूक करती नजर आती है। पार्टी को गलतफहमी हो गई लगती है कि विपक्ष के कुछ नेताओं के समर्थन की किडनियां खरीद लेने या जांच एजेंसियों की मदद से उनकी राजनीतिक नसबंदी कर देने भर से बाज़ी उसके पक्ष में पलट जाएगी। उसे कुछ और टोटका आजमाना पड़ेगा। भाजपा विपक्ष को ही जनता समझ बैठी है जबकि हकीकत उलट है। इस समय जनता ही विपक्ष के रोल में है। खरीदना समूची जनता को पड़ेगा। करोड़ों गरीबों को मुफ्त का अनाज बांटा जा सकता है पर उन्हें भारत रत्नों से विभूषित करके भी राजनीतिक विपक्ष की तरह तोड़ा नहीं जा सकता। न तो नीतीश और न ही जयंत चौधरी ही देश के असली विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं। सबको तोड़ लिया जाए तब भी जनता का विपक्ष नहीं टूटेगा।

सात फरवरी को राज्यसभा में दिए अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने आपातकाल के दिनों की ज्यादतियों का हवाला दिया था। भाजपा अगर मानकर चल रही है कि उसकी चुनावी रथयात्रा अघोषित आपातकाल के 'कर्तव्य पथ' से गुजरकर भी जनता के प्रतिरोधों का मुकाबला कर लेगी तो वह गलती पर है। 1975 के आपातकाल में पूरा विपक्ष या तो जेलों में बंद था या भूमिगत था फिर भी जनता के विपक्ष ने इंदिरा गांधी को हरा दिया था।

मानवीय हस्तक्षेप व शिकार से उपजा संकट

पंकज चतुर्वेदी

साल का पहला महीना ही असम के दुर्लभ एक सींग वाले गैंडों के लिए बुरा साबित हुआ। 22 जनवरी को काजीरंगा पार्क के माकलुड कैंप के करीब एक युवा नर गैंडे का शव मिला। फिर 26 जनवरी को इस स्थान से कोई एक किलोमीटर दूर ही दूसरे गैंडे के अस्थि-पंजर मिले। दोनों ही गैंडों के सींग काट लिए गए थे। जिससे स्पष्ट है कि ये शिकारियों के हाथ मारे गए हैं। हालांकि, राज्य के सुरक्षा बलों ने दो दिन में ही शिकारी जोगु पेगु को एक एके 47 रायफल और एक सींग के साथ गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि शिकारी के तार मणिपुर के उन लोगों से जुड़े हैं जो म्यांमार के रास्ते चीन तक इस संकटग्रस्त प्रजाति के जानवर के सींगों की तस्करी करते हैं। एक सींग वाला गैंडा दुनिया में संकटग्रस्त प्राणी घोषित है। इसकी संख्या सारे संसार में बमुश्किल 4000 होगी और इनमें से 88 प्रतिशत असम में ही हैं। कोई 2613 काजीरंगा पार्क में हैं तो पवित्र अभयारण्य में 107 और ओराङ्ग राष्ट्रीय उद्यान में 125 गैंडे हैं। मानस संरक्षित वन में भी लगभग 45 एक सींग के गैंडे हैं।

सन् 2022 गैंडों के लिए सबसे शुभ रहा था क्योंकि इस साल शिकार की एक भी घटना नहीं हुई। सन् 2009 में हुई गणना में काजीरंगा में एक सींग वाले गैंडों की संख्या 2048 थी। सन् 1980 से 1997 के सत्रह सालों में 550 गैंडों के शिकार की बात सरकार स्वीकार करती है, जिनमें सर्वाधिक 42 सन् 1992 में मारे गए थे। 2000 और 2021 के बीच असम में कम से कम 191 गैंडों का शिकार किया गया। 2013 और 2014 में 27 गैंडों की मौत की सूचना मिली। 2020 और 2021 में दो-दो गैंडे मारे गए। पिछले साल भी दो गैंडों के शिकार की सूचना है। बीती सदी में एक सींग वाला गैंडा समूचे भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता था। फिर किसी ने कह दिया कि इसका सींग यौनवर्धक होता है, कहीं इसके चमड़े को गोली-तलवार का वार रोकने लायक मजबूत कह दिया गया।

इन दिनों हल्ला है कि कैंसर की दवाई में गैंडे का सींग राम बाण है। वियतनाम और चीन के बाजार में इनकी खुलेआम मांग है। फिर क्या था? धड़ाधड़ मारा जाने लगा यह निरीह जानवर। करीब 430 वर्ग किलोमीटर में फैले काजीरंगा नेशनल पार्क का विकास गैंडों के लिए ही किया गया था, इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित कर रखा है, लेकिन कभी बाढ़ तो कभी शिकार के चलते इनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। गैंडा एक शांत प्राणी है और उसका सींग काट कर मरने के लिए छोड़ देना बेहद अमानवीय और दर्दनाक अपराध है। भारतीय गैंडे की दृष्टि कमजोर होती है और इसके बजाय वह अपनी सुनने और सूंघने की बेहतर इंद्रियों पर निर्भर रहता है। यहां ध्यान देना होगा कि बीते दो दशक के दौरान समूचे काजीरंगा पार्क के चारों ओर असंख्य बस्तियां बस गईं। असम गण परिषद व भाजपा कहती रही है कि ये सभी अवैध रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशी हैं और ये ही लोग गैंडों के शिकार व उसके सींग की तस्करी में शामिल हैं। हालांकि पुलिस ने 'कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स' नामक आतंकवादी संगठन के कई लोगों को समय-समय पर गैंडे के सींग की तस्करी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

यह बात खुफिया रिपोर्ट में दर्ज है कि उत्तर-पूर्वी राज्यों के कुछ आतंकवादी संगठन गैंडे के सींग के बदले मादक दवाओं और हथियार लाने के लिए म्यांमार, थाईलैंड तक आते-जाते हैं। इस बात की पुष्टि होती भी है क्योंकि कई बार गैंडों की हत्या में एके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। चीन में महंगे बिकने वाले सींग को दवा के तौर पर आधिकारिक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, संरक्षित पार्क से सटकर अवैध आवासीय गतिविधियां और सड़कें बनने से काजीरंगा के नैसर्गिक स्वरूप के साथ बहुत छेड़छाड़ हुई है। इसी का दुष्परिणाम है कि जब ब्रह्मपुत्र में पानी बढ़ता है तो जंगल में बाढ़ आ जाती है। असम में हर साल आने वाली बाढ़ भी गैंडों के लिए काल बनती है। जब काजीरंगा में जलस्तर बढ़ता है और गैंडे सुरक्षित स्थानों पर भागते हैं।

इसी फिराक में वे शिकारियों के हत्थे चढ़ जाते हैं। इंसानों की बस्ती बढ़ने से संरक्षित वन क्षेत्र की बाड़बंदी भी प्रभावित हुई है। इसके अलावा जंगल में निगरानी की अत्याधुनिक व्यवस्था न होना, क्षेत्रफल के लिहाज से वनरक्षकों की कमी और उनके पास नए उपकरणों का अभाव गैंडों की जान का दुश्मन बना हुआ है। सबसे बड़ी बात सरकार इस गंभीर समस्या को गंभीरता से नहीं ले रही है। समय-समय पर गैंडों के अवैध शिकार की सीबीआई जांच की मांग होती रही है। वैसे सितंबर-2012 में सीबीआई ने गैंडों के शिकार के तीन मुकदमे दर्ज भी किए थे, लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसमें कोई शक नहीं कि बीते कुछ सालों में सरकार के कड़े कदमों से जहां गैंडों के शिकार में कमी आई है, वहीं सामूहिक प्रयासों से गैंडों की संख्या भी बढ़ी है। पूर्वोत्तर में म्यांमार से लगी सीमा पर बाड़बंदी और उन्मुक्त आवाजाही रुकने से संगठित शिकारी गिरोह काम नहीं कर पाएंगे। भारत के गैंडों के संरक्षण की कहानी हमारे धरती ग्रह की बहुमूल्य जैव विविधता के संरक्षण के लिए आशा की किरण है।

वैलेंटाइन डे पार्टनर को घर पर बनाकर खिलाएं पिज्जा

आकार रखें खास

पिज्जा बनाते वक्त ये ना भूलें कि ये पिज्जा आप वैलेंटाइन डे के अवसर पर अपने पार्टनर के लिए तैयार कर रहे हैं। ऐसे में इसको गोल बनाने की बनाए दिल के आकार का बनाएं। इसे देखकर ही आपका पार्टनर खुश हो जाएगा।

वैलेंटाइन डे पर लोग अपने पार्टनर के साथ समय व्यतीत करने की प्लानिंग करते हैं। लोग इस दिन अपने पार्टनर के साथ घूमने जाते हैं। अपने पार्टनर को लंच और डिनर कराते हैं। उन्हें फिल्म दिखाने ले जाते हैं। इसके साथ बहुत से लोग तो अपने पार्टनर को तोहफा देकर उन्हें उनके खास होने का एहसास कराते हैं। बहुत से कपल ऐसे होते हैं, जिनके पास बाहर जाने का समय नहीं होता। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, तो आप ऐसी डिश अपने पार्टनर के लिए तैयार कर सकते हैं। जिसे बनाना बेहद आसान हैं। आप अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराने के लिए उन्हें अपने हाथ से पिज्जा बनाकर खिला सकते हैं। पिज्जा बनाना बेहद आसान भी है और ये हर किसी को पसंद भी आता है।

विधि

दिल के आकार का पिज्जा बनाने के लिए सबसे पहले एक रेडीमेड पिज्जा बेस लें। अब इसे दिल के आकार का काट लें। ध्यान रखें, कि इसका साइज ज्यादा छोटा ना हो जाए। इसके बाद प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च को बराबर टुकड़ों में काट लें। अब सबसे पहले इस बेस पर अच्छी तरह से पिज्जा सॉस डालकर फेला दें। इसके बाद इसके ऊपर कटे हुए प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, स्वीट कॉर्न आदि चीजें डालें। इसके साथ ही आप अपने पार्टनर की पसंद के हिसाब से सब्जियों को घटा या बढ़ा सकते हैं। अब आखिर में पिज्जा के ऊपर कद्दूकस किया चीज डालें। 20 मिनट तक इस पिज्जा को ओवन में पकाएं। आप चाहें तो इसे ऑरिगेनो से भी गार्निश कर सकती हैं। अगर आपके पार्टनर को कैचअप पसंद है, तो उसे पिज्जा के साथ जरूर परोसें।

सामग्री

पिज्जा बेस-2, पिज्जा सॉस-3 चम्मच, चीज-2 चम्मच, वैलेंटाइन वीक 2024 - फोटो : डेमो, शिमला मिर्च-1 कटी हुई, टमाटर-1 कटा हुआ, ऑरिगेनो-1/2 चम्मच, चिली फ्लेक्स-1/2 चम्मच।

पार्टनर के लिए तैयार करें कोकोनट रोज लड्डू

वैलेंटाइन डे पर आप अपने पार्टनर को उनके खास होने का एहसास दिलाने की कोशिश करते हैं। बहुत से लोग तो इस दिन अपने पार्टनर का पसंदीदा खाना बनाते हैं। अगर आपका पार्टनर भी फूडी है, और आप उसके लिए कुछ खास बना सकते हैं। यहां बात रोज डे की हो रही है, ऐसे में अपने पार्टनर के लिए इस खास दिन गुलाब से ही कोई डिश बना सकते हैं। अगर आप इसके लिए विकल्प तलाश कर रहे हैं तो कोकोनट रोज लड्डू एक बेहतर विकल्प हैं। आप अपने पार्टनर के लिए खास तरीके से लड्डू तैयार कर सकते हैं।

सामग्री

11/2 कप सूखा नारियल, 1/2 कप कंडेंस्ड मिल्क, 1 बड़ा चम्मच गुलाब का शरबत, 2 बड़े चम्मच गुलाब जल, 2 चम्मच घी, रोज डे 2024, 1/2 कप पिसे हुए मिक्स ड्राई फ्रूट्स, 1 मुट्ठी भुनी हुई मूंगफली, मुट्ठी भर बादाम, गुलाब की पंखुड़ियां।

विधि

कोकोनट रोज लड्डू बनाना बेहद ही आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन गरम करें और उसमें 1 टीस्पून घी डालें। जब घी गर्म होने लगे तो उसमें सभी सूखे मेवे डालें। सूखे मेवे जब सही तरह से भुन जाएं तो उसे एक प्लेट में निकाल कर ठंडा होने दें। इसके बाद उसी पैन में 1 चम्मच घी डालें। जब घी गर्म हो जाए तो उसमें सूखा नारियल डालें और अच्छे से चलाएं। जब नारियल पक जाए तो इसमें कंडेंस्ड मिल्क, गुलाब का शरबत, गुलाब जल डालकर सही से मिक्स करें। इसे पकाते वक्त ध्यान रखें कि इसे आपको लगातार चलाना है। जब ये मिक्सचर सही तरह से पक जाए तो इसमें भुने हुए मेवे को क्रश कर डालें। इसके साथ ही गुलाब की पंखुड़ियों को भी इसी में डाल दें। बस आपका ये मिश्रण तैयार है। ऐसे में गैस बंद करके इसे हल्का ठंडा होने दें और फिर इसके लड्डू बना लें। बस आपके कोकोनट रोज लड्डू तैयार हैं। इसे आप अपने पार्टनर को तोहफे में दे सकते हैं।

हंसना मना है

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी... एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है...

यदि आप सोचते हैं कि काश आपकी शादी आपकी साली से हुई होती... तो यकीन मानिए आपके साढू भाई भी बिलकुल ऐसा ही सोचते होंगे...

एक महिला ने नाटक में झगड़ालू पत्नी का सफल अभिनव किया... लोगों ने उसे बहुत पसंद किया, नाटक के बाद एक पत्रकार ने उससे पूछा- पहली बार में आपके सफलतम अभिनय का रहस्य क्या हैं? महिला बोली- इसमें कोई खास बात नहीं... मंच पर अपने कलाकार साथी के साथ बोलते समय मैंने मन में यही सोच लिया था वास्तव में अपने पति से बात कर रही हूं...

जीजा अपनी साली के साथ चैटिंग करते हुए जीजा - वाह तुम तो अपनी बहन से भी ज्यादा खुबसूरत हो... साली - जीजू आप बड़े वो हो। जीजा - अच्छा ये तो बताओ तुम इतनी खुबसूरत कैसे हो? आखिर क्या इस्तेमाल करती हो? साली - फोटोशॉप और कैमरा फ़िल्टर। जीजा बेहोश...

कहानी

प्यासा कौवा

एक बार की बात है, गर्मियों की चिलचिलाती दोपहर में एक प्यासा कौवा पानी की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था, लेकिन उसे पानी कहीं नहीं मिला। वह प्यासा उड़ता ही जा रहा था। उड़ते-उड़ते उसकी प्यास बढ़ती जा रही थी, जिस कारण उसकी हालत खराब होने लगी। अब कौवे को लगने लगा कि उसकी मौत नजदीक है, लेकिन तभी उसकी नजर एक घड़े पर पड़ी। वो तुरंत हिम्मत जुटाकर उस घड़े तक पहुंचा, लेकिन उसकी खुशी बस कुछ समय के लिए ही थी, क्योंकि उस घड़े में पानी तो था, लेकिन इतना नहीं था कि कौवे की चोंच उस पानी तक पहुंच सके। कौवे ने हर तरह से पानी पीने की कोशिश की, लेकिन वह पानी पीने में सफल नहीं हो पाया। अब कौवा पहले से भी ज्यादा दुखी हो गया था, क्योंकि उसके पास पानी होते हुए भी वह प्यासा था। कुछ देर घड़े को देखते-देखते कौवे की नजर घड़े के आसपास पड़े कंकड़ों पर पड़ी और कंकड़ों को देखते ही उसके मन में एक योजना आई। उसने सोचा कि थोड़ी मेहनत करके अगर वह एक-एक करके सारे कंकड़ घड़े में डाल दे, तो पानी ऊपर आ जाएगा और वो आसानी से पानी पी सकेगा। उसने एक-एक कर आसपास पड़े कंकड़ों को घड़े में डालना शुरू कर दिया। वह कंकड़ों को तब तक घड़े में डालता रहा, जब तक पानी ऊपर उसकी चोंच तक नहीं आ गया। फिर काफी मेहनत के बाद जब पानी ऊपर आ गया, तो कौवे ने जी भरकर पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मेहनत करते रहना चाहिए, क्योंकि मेहनत करने वाले को ही सफलता मिलती है।

7 अंतर खोजें

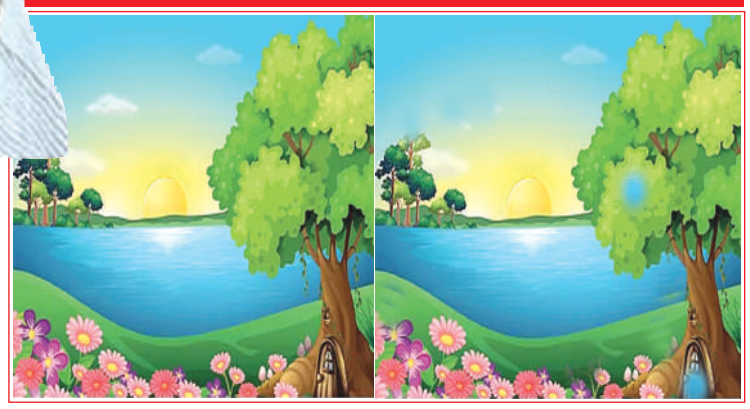

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

लोग मेरे किरदार को नहीं बल्कि मेरे गाने को याद रखते हैं : शिल्पा

मैं आई हूं यूपी बिहार लूटने, आइला रे से लेकर जीने के इशारे और शट अप एंड बाउंस तक, शिल्पा शेट्टी ने कई आइकोनिक सॉन्ग दिए हैं, जो आज भी लोगों के बीच हिट हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि फैंस शायद मेरी फिल्में भूल सकते हैं, लेकिन मेरे गाने हमेशा याद रहे हैं। गानों के साथ-साथ अपने निभाए किरदारों के यादगार होने के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे खुशी है कि लोग ऐसा महसूस करते हैं। 1993 में बाजीगर से डेब्यू करने वाली शिल्पा ने कहा, मुझे लगता है कि 90 के दशक की फिल्में गोल्ड थीं। आप फिल्मों को भूल सकते हैं, हो सकता है कि मेरी फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर अच्छी नहीं रही, लेकिन मेरे गाने हमेशा अच्छा परफॉर्म करते हैं। हो सकता है कि आपको मेरे द्वारा निभाए गए किरदार का नाम याद न हो, लेकिन आपको मेरे गाने के नाम जरुर याद होंगे। मैंगलोर में जन्मी स्टार अपने करियर का श्रेय म्यूजिक को देती हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं म्यूजिक को सारा श्रेय देती हूं क्योंकि हमारे बहुत सारे करियर इसी के आधार पर बने हैं। मैंने सभी म्यूजिक कंपनियों के साथ फिल्में की, क्योंकि उन्होंने मुझे लकी पाया और मैं भी इस बात पर जोर देती हूं कि म्यूजिक कितना जरुरी है। एक्ट्रेस का मानना है कि फिल्मों को हिट बनाने में म्यूजिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिल्पा ने कहा, आज के समय में म्यूजिक लुप्त हो गया है और मुझे लगता है कि सभी बड़ी फिल्मों में अगर म्यूजिक अच्छा नहीं है तो यह व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य फिल्म नहीं है। जब म्यूजिक होता है तो जनता और बच्चे उससे जुड़ जाते हैं। जब आप जनता और बच्चों से जुड़ते हैं तो आप एक नई सफलता हासिल कर लेते हैं। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में, शिल्पा एक मजबूत इरादों वाली पुलिसकर्मी तारा शेट्टी की भूमिका में हैं। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

बड़े पर्दे पर सनी देओल संग वापसी करने को तैयार हैं प्रीति जिंटा

बॉलीवुड | मसाला

गदर 2 की सफलता के बाद फैंस को सनी देओल की आगामी फिल्म लाहौर 1947 का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले हो रहा है। वहीं, इसके निर्देशन राजकुमार संतोषी हैं। इस पीरियड ड्रामा फिल्म में पहली बार इन दिग्गजों की तिकड़ी एक साथ दिखेगी। यही वजह है कि सिनेप्रेमी इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

इस फिल्म से प्रीति जिंटा भी अभिनय के दुनिया में लंबे समय बाद वापसी करने वाली हैं। फर्ज, द हीरो और भैयाजी सुपरहिट जैसी फिल्मों के बाद दोनों की जोड़ी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर जादू चलाने के लिए तैयार है।

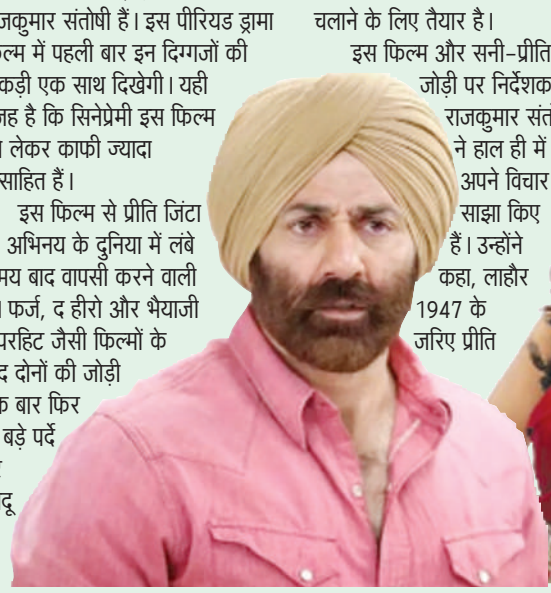

इस फिल्म और सनी-प्रीति की जोड़ी पर निर्देशक राजकुमार संतोषी ने हाल ही में अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा, लाहौर 1947 के जरिए प्रीति लंबे समय के बाद फिर से सिल्वर स्क्रीन पर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं। हमारी फिल्म इंडस्ट्री की वे सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। वे हर किरदार में खुद को पूरी तरह से झोंक देती हैं और दर्शकों को यह महसूस कराती हैं कि वे उसी किरदार के लिए बनी हैं।

सनी और प्रीति की जोड़ी पर बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, दिलचस्प बात यह है कि इस ऑन स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने हमेशा पसंद किया है। इसके अलावा सबसे जरूर बात यह है कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट के हिसाब से ऐसी ही जोड़ी की तलाश थी।

लाहौर, 1947 की शूटिंग 12 फरवरी से शुरू हो गई है। राजकुमार संतोषी और सनी देओल की जोड़ी इससे पहले कई फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा चुकी हैं। दोनों एक साथ घायल, दामिनी और घातक हिट फिल्में दे चुके हैं।

बॉलीवुड में कदम रखेंगी भाग्यश्री की बेटी अवंतिका

भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी आखिरी बार वेब सीरीज मिथ्या में नजर आई थीं। इस सीरीज में उनके अभिनय की दर्शकों ने खूब सराहना की। ओटीटी की दुनिया में पहचान बनाने के बाद अवंतिका बॉलीवुड में कदम रखने को तैयार हैं। अवंतिका की पहली फिल्म का नाम यू शेप की गली है। इस बीच अब हाल ही में अवंतिका ने एक बातचीत के दौरान खुलासा किया कि उनकी मां भाग्यश्री उन्हें और उनके भाई अभिमन्यु दसानी को क्या सलाह देती हैं। साथ ही, उन्होंने स्टार किड होने के फायदे और नुकसान के बारे में भी खुलकर बात की।

अवंतिका ने कहा, मेरे और मेरे भाई दोनों के लिए, वे हमेशा कहती थीं कि चाहे आप कितने भी अच्छे हों या आपको कितनी भी सफलता क्यों न मिल जाए, लेकिन यहां स्थिरता नहीं है। यहां बहुत सारे उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, अवंतिका ने बताया कि उनकी मां भाग्यश्री उन्हें क्या सलाह देती हैं। अभिनेत्री ने कहा, उनकी मां कहती हैं कि चाहे अच्छा या बुरा, आपको उससे संतुष्ट रहना चाहिए और खुद पर गर्व करना चाहिए।

अवंतिका दसानी ने स्टार किड होने के फायदे और नुकसान के बारे में बात करते हुए कहा, आप लगता है कि आप अकेले नहीं हैं, आपके साथ इंडस्ट्री में कोई तो आपका है। हालांकि, मेरी मां ने कई साल पहले इंडस्ट्री को छोड़ दिया था, इसलिए यह पहले जैसा नहीं है। अभी भी कुछ फायदे हैं, क्योंकि मेरी मां और भाई को इंडस्ट्री में बहुत सम्मान मिला है इसलिए मुझे भी वही सम्मान मिलता है। मुझे एक चाय मिल सकती है, लेकिन मुझे किसी फिल्म का ऑफर नहीं मिलेगा।

अवंतिका दसानी की पहली फिल्म यू शेप की गली की बात करें, तो यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन अविनाश दास ने किया है। यू शेप की गली में अवंतिका के साथ विवान शाह मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | अजीबो-गरीब साइंस है आसमान में दिखने वाले बादलों की

100 हाथियों जितना होता है हल्के फुल्के दिखने वाले बादल का वजन

आपने जब भी फुरसत के पलों में आसमान की ओर देखा होगा, तो आपको नज़र आए होंगे दूध की तरह सफेद या फिर ज़रा स्लेटी का रंग लिए हुए बादलों के टुकड़े। ये इतने मोहक होते हैं कि दिल करता है, बस कूदकर इन्हें छू लें। वैसे आपको ये जानकर हैरानी होगी कि जिस चीज़ को आप इतना हल्का और नाजुक समझ रहे हैं, उसका वजन 100 हाथियों के बराबर होता है।

रूई के फाहे की तरह आसमान में तैरते हुए बादलों से जुड़े हुए ऐसे तमाम फैक्ट्स हैं, जो आपको दंग कर देंगे। अब इसके वज़न के बारे में बात ही कर रहे हैं, तो बड़ा सवाल ये है कि इतना वज़न होने के बावजूद बादल हवा में टिके कैसे रहते हैं? आखिर वो कौन सी चीज़ है, जो इन्हें धरती पर गिरने से रोकती है, जबकि जब बादलों से पानी बरसता है, तो वो सीधा जमीन पर गिरता है। वैज्ञानिक तथ्यों के मुताबिक हवा में हर तरफ पानी वाष्प रूप में रहते हैं। जलवाष्प वाली गर्म हवा जब ऊपर उठती है, तो धीरे-धीरे ये ठंडी होने लगती है। इसमें जमा पानी जब एक साथ आता है, तो छोटी-छोटी बूंदों के

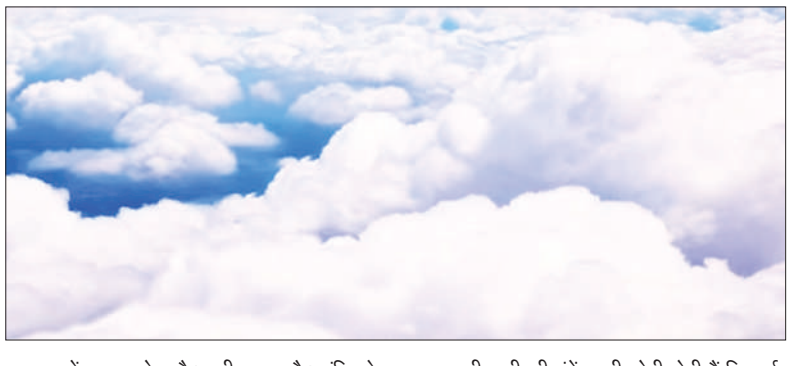

आकार में इकट्ठा होता है। यही बादल है। चूंकि ये हवा में तैरता रहता है, ऐसे में हमें लगता है कि ये काफी हल्का है। वैसे आपको जानकर हैरानी होगी कि एक बादल का औसत वजन 1.1 मिलियन पाउंड यानि लगभग 450 हजार किलोग्राम होता है। सामान्य भाषा में बताएं तो 100 हाथियों के वजन के बराबार एक बादल का वजन होता है।

ये सवाल महत्वपूर्ण है कि इतना वजन लेकर बादल तैरते कैसे रहते हैं? इसकी वजह ये है कि बादल बनी पानी की बूंदें इतनी छोटी होती हैं कि गर्म हवा इन्हें आसानी से ऊपर उठा देती है। ठीक उसी तरह जैसे पानी गर्म करने पर भाप ऊपर जाती है। जब तक ये बूंदें आपस में मिलकर भारी नहीं होती हैं, तब तक ये नीचे आने लगता है। बादल बारिश, ओले या बर्फ के तौर पर ही नीचे आ सकता है, वरना ये छोटी-छोटी बूंदों के तौर पर हवा में ही तैरता रहेगा। जब बादल का मार्ग रुकता है, तो बूंदों का दबाव बढ़ जाता है और बादल फटने जैसी घटनाएं होती हैं।

करोड़ों की संख्या में उड़ते मच्छरों ने पुणे शहर पर किया हमला

अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया का सबसे खतरनाक जीव कौन सा है, तो आप शेर, चीता, हाथी आदि जैसे किसी बड़े और खतरनाक जीव का नाम लेंगे, लेकिन अगर हम आपको बताएं कि इंसानों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक जीव मच्छर हैं, तो क्या आप यकीन करेंगे? मच्छरों के काटने से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हाल ही में जब यही मच्छर करोड़ों की संख्या में भारत के पुणे शहर में उड़ते दिखे, तो उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि वो अपनी पूरी फौज लेकर शहर पर हमला करने के लिए आए हैं। तो क्या इतनी ज्यादा संख्या में मच्छरों का दिखना खतरे की बात है? असल में ये मच्छर नहीं हैं, बल्कि उनके जैसे दिखने वाले कीड़े हैं।

सोशल मीडिया पर हाल ही में मच्छरों जैसे दिखने वाले इन कीड़ों के उड़ने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में करोड़ों मच्छर पुणे में उड़ते दिख रहे हैं। लोगों का कहना है कि ये मच्छरों का हमला है। राकेश नायक नाम के एक यूजर ने इस घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और इसकी जानकारी दी। शख्स ने पुणे के नगर निगम को टैग करते हुए उनकी आलोचना व्यंग के तरीके से की। उन्होंने लिखा- पुणे के केशव नगर में रहने वाले नागरिकों को टैक्स के बदले मच्छरों के तूफान के रूप में खास तोहफा देने के लिए पुणे नगर निगम का धन्यवाद। वीडियो में आप देख सकते हैं कि मच्छर करोड़ों की संख्या में उड़ रहे हैं। वो एक साथ सीधी रेखा बना रहे हैं जो हवा में किसी तीर की तरह ऊपर की ओर जा रहा है। वीडियो में आपको अजीबोगरीब आवाज भी सुनाई देगी। लोगों ने कमेंट कर वीडियो पर हैरानी जताई है और कहा कि ये बेहद डरावना दृश्य लग रहा है। कुछ लोगों ने कहा कि आखिर लोग कैसे रह पा रहे होंगे। आपको बता दें कि हाल ही में सरकार द्वारा देश के सबसे साफ शहरों की सूची जारी हुई थी, जिसमें पुणे को 10वां स्थान मिला था। ऐसे में ये और भी ज्यादा हैरान करने वाली बात है कि इतने मच्छर साफ शहरों की सूचि में शामिल शहर में दिखाई पड़ रहे हैं। अब सवाल ये उठता है कि क्या ये किसी खतरे का संकेत है, या फिर आम बात है। जूलॉजी के रिटायर्ड प्रोफेसर ने कहा कि ये कोई दुर्लभ दृश्य या खतरे का संकेत नहीं है। ये गंदे नालों की वजह से हो रहा है जिसे साफ नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये कीड़े असल में मच्छर नहीं है, बल्कि मच्छर जैसे ही एक जीव हैं। इनका लार्वा, मच्छरों के लार्वा जैसा ही होता है। पर वो लाल होता है क्योंकि इनके खून में भी हेमोग्लोबिन होता है। ये गंदे पानी में होते हैं और मुला-मुठा नदी में बड़ी संख्या में हैं।

किसानों की मेहनत का फल नहीं दे रही केंद्र सरकार : राहुल गांधी

स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू नहीं कर रहे मोदी, किसानों के समर्थन में कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छत्तीसगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ अंबिकापुर पहुंचे। अंबिकापुर में उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, किसान दिल्ली की ओर मार्च कर रहे हैं। उन्हें रोका जा रहा है, उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं, वे क्या कह रहे हैं। वे सिर्फ अपनी मेहनत का फल मांग रहे हैं। बीजेपी सरकार ने एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने की घोषणा की, लेकिन वे एमएस स्वामीनाथन की कही बात को लागू करने को तैयार नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा, स्वामीनाथन ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि किसानों को वाकई एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ऐसा नहीं कर रही है। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आएगी तो हम भारत के किसानों को एमएसपी की गारंटी देने वाला (कानून) देंगे। स्वामीनाथन रिपोर्ट में जो उल्लेख किया गया है, हम उसे पूरा करेंगे। अंबिकापुर नगर के कला केंद्र मैदान में आयोजित आमसभा के बाद राहुल गांधी कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा अचानक दो दिन के लिए स्थगित हो गई है। दिल्ली में किसानों के आंदोलन में उपजे विवाद के बाद राहुल व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को दिल्ली निकलना पड़ा। अंबिकापुर में आमसभा के बाद राहुल गांधी की यह यात्रा बलरामपुर जिले के ओर रवाना होने वाली थी कि अचानक यात्रा स्थगित कर दी गई। यह यात्रा दो दिन के लिए स्थगित की गई है। दो दिन बाद फिर से राहुल गांधी यात्रा आरंभ करेंगे। बलरामपुर के बाद यात्रा झारखंड राज्य में प्रवेश करेगी।

20 को रायबरेली आएंगे राहुल गांधी

रायबरेली। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 20 फरवरी को रायबरेली आ रही है। इसे लेकर कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है। मंगलवार को भुएमऊ के वीआईपी गेस्ट हाउस में सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि केएल शर्मा ने यात्रा को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान यात्रा के रूट चार्ट पर चर्चा की गई। कांग्रेसी इस यात्रा को लेकर खासे उत्साहित हैं। उनका मानना है कि न्याय यात्रा से न केवल रायबरेली, बल्कि जिले की सीमा से लगे अन्य जिलों में भी कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मजबूत होगी। एआईसीसी कोऑर्डिनेटर इंदल कुमार रावत व प्रदेश सचिव तथा रायबरेली प्रभारी फिरोज अहमद खान ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उत्साह के साथ कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

डिप्टी सीएम शिवकुमार की बढ़ी मुश्किलें

आय से अधिक संपत्ति मामले में लोकायुक्त पुलिस ने दर्ज किया केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच सीबीआई से अपने पास आने की संभावना को देखते हुए एक मामला दर्ज किया है। इस मामले की अभी सीबीआई जांच कर रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा उनके खिलाफ सीबीआई जांच को

मंजूरी देना गलत था। इसी कारण कांग्रेस सरकार ने अनुमति वापस ले ली और मामला लोकायुक्त को सौंप दिया।

कर्नाटक सरकार ने पिछले साल नवंबर में शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने के पिछली भाजपा सरकार के फैसले को यह कहते हुए वापस ले लिया था कि यह कानून के अनुरूप नहीं है। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह मामला सीबीआई से लोकायुक्त को स्थानांतरित हो सकता है। उन्होंने माना कि मंजूरी वापस लेने के राज्य सरकार के आदेश को सीबीआई ने कर्नाटक हाई कोर्ट में चुनौती दी है। लेकिन, मामले की जांच करने में लोकायुक्त पर कोई रोक नहीं है, क्योंकि अदालत ने कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। अधिकारी ने कहा कि सीबीआई द्वारा मामले के दस्तावेजों को स्थानांतरित किए बिना कुछ बुनियादी जांच को छोड़कर हम अभी बहुत कुछ नहीं कर सकते। हम हाई कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। हम उसके निर्देशों के अनुसार ही कार्य करेंगे।

पूरे प्रदेश में छाए बादल जिलों में बारिश का अलर्ट

प्रदेश में जगह-जगह बारिश, बादल, तेज हवा संग ओले भी पड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसंत पंचमी की सुबह यूपी में कई जगहों पर हल्की बरसात ने ठंड को भी बढ़ा दिया है। पूरे प्रदेश में बादल छाए हुए हैं। कुछ जिलों में भी हल्की बरसात की भी खबरें हैं। इसके पहले पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर मंगलवार को भी प्रदेश में दिखा। प्रदेश में जगह-जगह बारिश, बादल, तेज हवा संग ओले भी पड़े। कई जिलों में भारी बारिश हुई।

प्रयागराज और चित्रकूट में ओलावृष्टि दर्ज की गई है। कई इलाकों में अच्छी बरसात भी हुई। मंगलवार की तरह बुधवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हो सकती है। बारिश के अलावा ओले और वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, प्रयागराज में 28 मिमी., भदोही में 15, गौतमबुद्धनगर में 15 मिमी. बरसात दर्ज की गई। चित्रकूट में 5 मिमी. से अधिक बारिश हुई, जबकि प्रयागराज व चित्रकूट में ओले भी पड़े। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक बारिश का दौर बुधवार को भी जारी रहेगा, पर ओले पड़ने के आसार नहीं हैं। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, चंदौली, मिर्जापुर, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर व आसपास के इलाकों के लिए बारिश आदि का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

किसानों के मामले में विफल हुई मोदी सरकार : ओवैसी

बोले- किसानों की मांग पूरी करें, चुनावी फायदा होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मंगलवार को इन परिस्थितियों को मोदी सरकार की विफलता बताया और कहा कि प्रधानमंत्री को किसानों की मांगें सुननी चाहिए, ताकि आगामी चुनावों में उन्हें ही फायदा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक अजीब माहौल बना दिया है।

ओवैसी ने आगे कहा, यह मोदी सरकार की विफलता है। उन्हें एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की किसानों की मांग पूरी करनी चाहिए थी। दूसरी मांग स्वामीनाथन समिति के फॉर्मूले को लागू करना है। सरकार समय क्यों बर्बाद कर रही है? आप उन्हें ऐसे रोक रहे हैं जैसे किसी पड़ोसी देश की सेना जबरन आ रही हो। आप मार्ग रोक रहे हैं तो उन्होंने अजीब माहौल बना दिया है। देश के प्रधानमंत्री को उनकी मांगें तुरंत माननी चाहिए। चुनाव आ रहे हैं, उन्हें फायदा मिलेगा। इसके अलावा गोपालगंज में बिहार एआईएमआईएम के सचिव और जिला अध्यक्ष अब्दुल सलाम उर्फ असलम मुखिया की हत्या पर ओवैसी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है।

नीतीश शासन में कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं

ओवैसी आगे बोले कि नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने तोहफा दिया। गोपालगंज में हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल सलाम की हत्या कर दी गई। दो महीने पहले सीवान में भी हमारी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की हत्या कर दी गयी थी। ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार के शासन में कानून व्यवस्था पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। दुर्भाग्य से सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गयी है, जबकि जिम्मेदारी सरकार की ही है।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों पर चलाया कोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आईपीएल से पहले रणजी ट्रॉफी खेलना अनिवार्य

मुंबई। झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में नहीं खेलना और केवल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर ध्यान केंद्रित करने के कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस धनाढ्य टी-20 लीग में भागीदारी के लिए रणजी ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलना अनिवार्य कर सकता है। पता चला है कि बीसीसीआई के अधिकारी पहले ही किशन को 16 फरवरी से जमशेदपुर में राजस्थान के खिलाफ होने वाले झारखंड के अंतिम लीग मैच में खेलने का निर्देश दे चुके हैं।

किशन यात्रा से जुड़ी थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच से स्वदेश लौट गए थे और इसके बाद उन्होंने कोई मैच नहीं खेला जो बीसीसीआई के अधिकारियों को नागवार गुजरा। यही नहीं इस बीच उन्हें मुंबई इंडियंस के नवनियुक्त कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ बड़ौदा में अभ्यास करते हुए देखा गया जबकि उनकी रणजी टीम झारखंड अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी। इस बात पर आम सहमति है कि इसको लेकर कड़ी नीति बनाने की जरूरत है ताकि युवा खिलाड़ी केवल आईपीएल में खेलने को अपनी आदत नहीं बना सकें। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''बीसीसीआई के नीति निर्धारक इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं की कुछ खिलाड़ी लाल गेंद की क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते हैं। अगर वह भारतीय टीम से बाहर हैं तो वह मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट के कुछ मैच में खेलकर उसके बाद प्रथम श्रेणी सत्र के दौरान अपनी राज्य की टीम से नहीं जुड़ते हैं। उन्होंने कहा,''खिलाड़ियों को ऐसा करने से रोकने के लिए बोर्ड रणजी ट्रॉफी के तीन-चार मैच में खेलना अनिवार्य कर सकता है।

अगर खिलाड़ी ऐसा नहीं करता है तो वह आईपीएल में नहीं खेल सकता है और यहां तक कि अगर उनकी फ्रेचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया तो वह आईपीएल नीलामी में भाग नहीं ले सकते हैं। राज्य इकाइयों का मानना है कि बीसीसीआई को इस संबंध में कुछ कड़े नियम बनाने चाहिए ताकि युवा खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी को हेय दृष्टि से ना देखें।''

फोटो: सुमित कुमार

बसंत पंचमी बसंत पंचमी के अवसर पर पीले रंग से सजा केजीएमयू, धूमधाम से की गई सरस्वती पूजा। मेडिकोज के साथ-साथ कुलपति सोनिया नित्यानंद भी पूजा में हुईं शामिल।

मणिपुर के इम्फाल ईस्ट में फिर हिंसा, एक की मौत

» उपद्रवियों ने पुलिस ट्रेनिंग सेंटर से हथियार लूटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इम्फाल। लगभग साल भर होने को है मणिपुर में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। इसबार इम्फाल ईस्ट में फर हिंसा भड़क उठी। गोलीबारी में एक की मौत हो गई और 3 लोक घायल हैं। उपद्रवियों ने पेंगेई के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में हमला किया और हथियार लूट गए। गोलीबारी, हमले और हथियारों की लूट के वीडियो भी सामने आए हैं। हिंसा के बाद का ड्रोन फुटेज सामने आया है। इसमें पहाड़ी पर मौजूद लोग अपने घायल और मृत साथियों को ले जाते नजर आ रहे हैं। हिंसा में मरने वाले शख्स की पहचान 25 साल के सागोलसेम लोया के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि घायल हुए लोगों में से एक को पैर में और एक को कंधे में गोली लगी। हालांकि, वे खतरे से बाहर हैं। घायल हुए लोग मैतई समुदाय के हैं या कुकी के, यह अब भी साफ नहीं हो पाया है। दरअसल, इम्फाल ईस्ट के खामेनलोक में जहां यह घटना हुई, वह मैतई बहुल इलाका है। इसके पास ही कांगपोकपी इलाका है, जो कुकी बहुल इलाका है। दोनों गुटों के बीच पहले भी हिंसा हुई है।

फुटबॉल खेल रहे बच्चों पर भी चलाई गोलियां

शांतिपुर इरिल नदी के पास जब गोलीबारी शुरू हुई तो वहां कुछ बच्चे फुटबॉल खेल रहे थे। उन पर भी हथियारबंद लोगों ने गोलियां चलाईं। घबराए हुए बच्चे अपनी जान बचाने के लिए झाड़ियों में छिप गए। इस दौरान वह घायल हो गए। बच्चों का भी वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके पैरों में जख्म नजर आ रहे हैं। बच्चे रो रहे हैं और आस-पास गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई दे रही है।

हाल ही में मणिपुर में सुरक्षाबलों पर हुआ था हमला

मणिपुर के थौबल जिले में उपद्रवियों ने 17 जनवरी को पुलिस हेडक्वार्टर पर हमला किया था। उपद्रवी भीड़ की तरफ से की गई फायरिंग में तीन जवान घायल हो गए थे। पुलिस के अनुसार भीड़ ने पहले हेडक्वार्टर में दाखिल होने की कोशिश की थी। जब पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया, तो भीड़ के बीच से कुछ उपद्रवियों ने फायरिंग कर दी।

मणिपुर में अब तक 200 से ज्यादा मौतें, 1100 घायल

राज्य में 3 मई 2023 से कुकी और मैतेई के बीच जारी जातीय हिंसा में 200 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राज्य में अब तक 65 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। 6 हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।

400 सीटों पर बात करने वाली बीजेपी क्यों कर रही तोड़फोड़ : महुआ मोइत्रा

» नेताओं को पार्टी में ज्वाइन कराने पर भड़कीं टीएमसी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने को लेकर प्रतिक्रिया दी है। वहीं, टीएमसी नेता ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी जिक्र किया है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर उन्होंने लिखा, भाजपा जिस तरह से नेताओं को ज्वाइन करा रही है, जिन्हें कभी भ्रष्ट कहती थी। उस तरह से एक दिन वह चाहेगी कि मैं भी उनकी पार्टी में शामिल हो जाऊं। यह इनका गिरता हुआ स्तर है।

महुआ ने आगे रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए लिखा,मुझे लगा कि जब रामलला की कृपा से 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 400 सीटें आर रहीं हैं तो फिर पार्टी, हर नेता को अपने पाले में लाने के इतना बेचैन क्यों है। उन नेताओं को भी पार्टी अपने साथ जोड़ रही है, जिसे किसी दौर में उसने भ्रष्ट घोषित किया था। बता दें कि टीएमसी सांसद पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर सदन में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने संसद में 61 सवाल पूछे जिनमें से 50 सवाल अदाणी समूह से जुड़े थे। इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई हुई और उन्हें अपनी लोकसभा सदस्यता गंवाई पड़ी।

विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा

इससे पहले महुआ ने कहा था कि जिस तरह से विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है, उससे जनता में गुस्सा है। झारखंड में जिस तरह से मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया, उसके बाद लोग गुस्से में हैं। बीजेपी में कई पूर्व मंत्री हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, लेकिन छापे नहीं पड़ते। वहीं, सोमवार को हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर उनके खिलाफ कोई सबूत मिला, तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

फोटो: 4पीएम

नामांकन राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशियों आरपीएन सिंह, सुधांशु त्रिवेदी, तेजवीर सिंह ने विधानभवन के कक्ष संख्या 48 में नामांकन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर और पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

एनआईए अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ तय किए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के नौ आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को जयपुर की विशेष एनआईए अदालत ने आरोप तय कर दिए। जून 2022 में इस्लाम के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट का कथित रूप से समर्थन करने को लेकर उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में दर्जी का काम करने वाले कन्हैयालाल की उसकी दुकान पर ही मोहम्मद रियाज तथा मोहम्मद गौस ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।

» कन्हैया लाल हत्याकांड में हुई कार्रवाई

मामले की जांच का जिम्मा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपा गया था। हत्याकांड में शामिल नौ आरोपियों में से छह के अधिवक्ता मिन्हाज उल हक ने बताया कि जयपुर में विशेष एनआईए अदालत में मंगलवार को भारतीय दंड संहिता धारा 302 (हत्या), 452 (अनाधिकृत प्रवेश), 153-ए (धर्म आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्यता को बढ़ावा देना), 295-ए (जानबूझकर धार्मिक भावना भड़काना), 120-बी (आपराधिक षड़यंत्र) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।